चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	3-1-24		

THE TIMES OF INDIA
INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

Hisar varsity VC awarded

Hisar: Prof B R Kamboj, vice-chancellor, Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, has been conferred with the prestigious M S Swaminathan Award. Karnataka governor Thawar Chand Gehlot presented the award to Prof Kamboj for his work as a scientist/extension specialist in the field of agronomy.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3-1-24	4	1-4

कार्यक्रम • एचएयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' के शुभारंभ पर वीसी बोले-

फूल दूसरे फूलों से प्रतिस्पर्धा की भावना न रख खुद खिलता है, जिनसे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए

भास्कर न्यूज | हिसार

फूल प्रकृति का खूबसूरत तोहफा है, जिसे सभी पसंद करते हैं। क्योंकि फूल निःस्वार्थ भाव से अपनी महक दूसरों तक पहुंचाते हैं। साथ ही जीवन की थकान को सुकून में बदलकर हमारा ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। फूल अन्य फूलों से प्रतिस्पर्धा की भावना न रखकर खुद खिलता है और खुशियां प्रदान करता है। हमें फूलों से सीखना चाहिए कि हम निःस्वार्थ भाव से ऐसे काम करें, जिससे दूसरों को खुशी प्रदान हो। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 के नजदीक स्थित एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन में आयोजित दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यातिथि ने बताया कि यह दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' हरियाणावासियों के लिए खास है क्योंकि इसमें फूलों व सब्जियों को उगाने के लिए उपयोग में लाई जा रही नई-नई तकनीकों, नवाचारों, प्रौद्योगिकियों व प्रबंधनों से अवगत करना है।

हिसार | एचएयू के बॉटेनिकल गार्डन एवं एग्रो टूरिज्म सेंटर में आयोजित शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प प्रदर्शनी में सजावटी पौधों को निहारती युवतियां।

हिसार | एचएयू में आयोजित पुष्प प्रदर्शनी में पुष्प का पॉट तैयार करती छात्रा।

एयरपोर्ट ट्यूरिज्म रहा आकर्षण का केंद्र

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' में आकर्षण का केंद्र एयरपोर्ट ट्यूरिज्म रहा। यह हिसार शहर के एयरपोर्ट का जीता-जागता प्रारूप है। एयरपोर्ट ट्यूरिज्म में एक हवाई जहाज का मॉडल बनाया है। इसमें बताया गया है कि भविष्य में विभिन्न तकनीकों व विधियों का इस्तेमाल कर हवाई जहाज की मदद से हिसार शहर के फल, फूल व सब्जियों को विदेशों तक भेजे जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में सेल्फी प्वाइंट ने भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा, जहां लोगों ने विभिन्न फूलों की सुंदर-सुंदर प्रजातियों के साथ फोटो खिंचवाई।

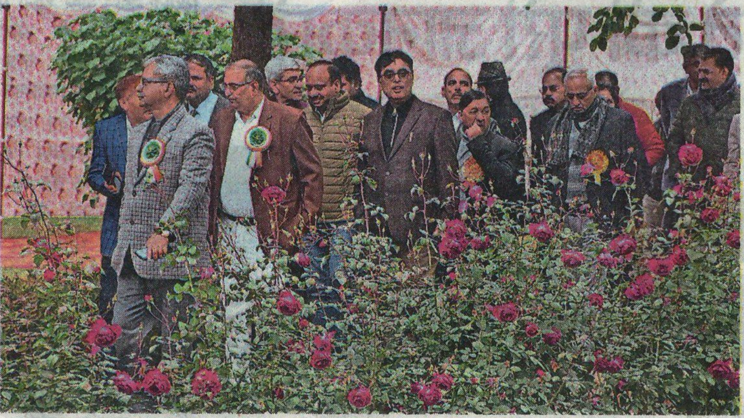

एचएयू में फ्लावर शो में मुख्यातिथि वीसी प्रो. बीआर काम्बोज फूलों का अवलोकन करते हुए।

पोस्टर मेकिंग, पेंटिंग व मेहंदी प्रतियोगिता हुईं

- इस उत्सव में पोस्टर मेंकिग, ऑन दा स्पॉट ड्राइंग, मेहंदी व पेंटिग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पहली से पांचवीं, छठी से आठवीं, नौवीं से 12वीं और कॉलेज ग्रुप के विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी, जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंदे, फ्रेश फ्लॉवर सजाना आदि होगा। रंगोली प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के दो ग्रुप बनाए जाएंगे। इन सभी के लिए पंजीकरण निःशुल्क होगा। आमजन के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक एग्री टूरिज्म सेंटर खोला जाएगा।
- मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने हर्बल गार्डन, औषधीय पौधों, नवग्रह वाटिका, नर्सरियां, बगीचों सहित अन्य बागवानी अनुभागों का अवलोकन भी किया। इस उत्सव का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, एचएयू के सामाजिक कल्याण सोसाइटी व भू-दृश्य इकाई संरचना के सहयोग से किया जा रहा है।

हिसार | एचएयू में पुष्प प्रदर्शनी देखने के लिए पहुंचे शहर के लोग।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	3.1.24	1	1-2

फूलों की खुशबू से महका तन-मन...

एचएयू के एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन में मंगलवार को दो दिवसीय शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव का शुभारंभ हुआ। इस दौरान प्रदर्शनी में बर्ड ऑफ पाराडाइज समेत अन्य फूलों को निहारतीं महिलाएं। - संबंधित खबर पेज-04 पर पढ़ें

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3-1-24	1	5-5

एचएयू में फ्लावर शो... 100 से अधिक किस्म के फूल प्रदर्शित

हिसार | एचएयू में फ्लावर शो में कई तरह के फूलों को प्रदर्शित किया गया। शहर के लोग फूलों को देखने के लिए पहुंचे। 105 वेरायटी के पुष्पों को प्रदर्शित किया गया है। यहां माल्टा, ग्रे फ्रूट, बेलगिरी, अनार, अमरुद, आंवला और नींबू आदि आठ वेरायटी के फलों को प्रदर्शित किया गया है। - **विस्तृत समाचार**

पेज 4 पर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3-1-24	1	1-5

भास्कर खास • हाइड्रोपोनिक तकनीक में पानी के जरिए बढ़ते हैं पौधे, कम जगह में इस तरह की बागवानी सबसे कारगर

घर या दफ्तर में बिना मिट्टी उगा सकते हैं फल व फूलों के पौधे

यशपाल सिंह | हिसार

घर या दफ्तरों के अंदर ही वर्टिकल गार्डनिंग के जरिए फल, फूल और सब्जियां लगाई जा सकती है। सजावटी पौधे भी लगाए जा सकते हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन में मंगलवार को शुरू हुए दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' में हाइड्रोपोनिक तकनीक को काफी सराहना मिली।

बिना मिट्टी व कम पानी में वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक जैसे नए प्रबंधनों की मदद से हम घर के अंदर ही कम जगह में फल-सब्जियां उगा सकते हैं। यह सरल व सहज विधि है। इसकी मदद से हम घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे, छत पर या बालकनी पर फूल-सब्जियां उगा सकते हैं।

साथ ही कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी तैयार कर सकते हैं। रात के समय इन गार्डनिंग के साथ एलइडी लाइटिंग कर घर, ऑफिस या अपने प्रतिष्ठान की सजावट को बढ़ा सकते हैं। होम डेकोरेशन का यह नया कॉन्सेप्ट भी है।

हकृवि के बॉटेनिकल गार्डन एवं एग्रो टूरिज्म सेंटर में पुष्प प्रदर्शनी में हाइड्रोपोनिक गार्डनिंग की जानकारी देते डॉ. अरविंद मलिक।

फिश एक्वेरियम की तरह अलार्म सिस्टम से चलता है पानी, पौधों के साथ एलईडी लाइटिंग कर बना सकते हैं डेकोरेटिव

हाइड्रोपोनिक तकनीक में पौधे के लिए मिट्टी की जरूरत नहीं होती। इसमें पौधे की जड़ों को छोटे कपनुमा गमले में रखा जाता है। इसके चारों तरफ चिकनी मिट्टी की बोल रख दी जाती है। पौधों को बड़ी पाइप में वर्टिकल या होरीजोंटल मोड में फिट किया जाता है। इसके बेस पर बड़ा टैब या टैंक तैयार होता है, जिसमें पानी स्टोर होता है।

फिश एक्वेरियम की तरह पानी पूरी पाइप से पौधों की जड़ों तक पहुंचता रहता है। इसी में लिक्विड मिक्स खाद भी डाली जाती है। पानी चलाने के लिए टाइमर लगे होते हैं, जो समय-समय पर पौधों को पानी पहुंचाते रहते हैं। इस तरह की विधि से टमाटर, बैंगन, स्ट्रॉबेरी जैसे छोटे पौधों के अलावा फूलदार व सजावटी पौधे लगाए जा सकते हैं।

▶ *हाइड्रोपोनिक तकनीक इंडोर गार्डनिंग के लिए अच्छा विकल्प है। घर या ऑफिस में कमरे के अंदर ही बगैर मिट्टी के फल, फूल और सब्जियों के पौधे लगाए जा सकते हैं। एलईटी लाइटिंग के साथ इनको डेकोरेटिव भी बनाया जा सकता है।''* **डॉ. अरविंद मलिक,** इंचार्ज, एग्री टूरिज्म सेंटर, हकृवि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	3-1-24	4	1-6

हकृवि में 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' शुरू

'फूल प्रकृति का खूबसूरत तोहफा'

एयरपोर्ट टूरिज्म बना आकर्षण का केंद्र

उत्सव के दौरान फूलों को उगाने के लिए इस्तेमाल में लाई गई तकनीक को देखते मुख्यातिथि।

फूलों के बारे जानकारी लेते दर्शक।

हिसार, 2 जनवरी (ब्यूरो): फूल प्रंकृति का खूबसूरत तोहफा है, जिसे सभी पसंद करते हैं। क्योंकि फूल निस्वार्थ भाव से अपनी महक दूसरों तक पहुंचाते है। साथ ही जीवन की थकान को सुकून में बदलकर हमारा ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। हमें फूलों से सीखना चाहिए कि हम निःस्वार्थ भाव से ऐसे काम करें, जिससे दूसरों को खुशी प्रदान हो। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय के गेट न. 4 के नजदीक स्थित एग्री-टूरिज्म सैंटर व बोटेनिकल गार्डन में आयोजित 2 दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह 2 दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' हरियाणावासियों के लिए खास है, क्योंकि इसमें फूलों व सब्जियों को उगाने के लिए उपयोग में लाई जा रही नई-नई तकनीकों, नवाचारों, प्रौद्योगिकियों व प्रबंधनों से युवाओं व किसानों को अवगत करना है। साथ ही आमजन के लिए खास यह है कि कम जगह, बिना मिट्टी व कम पानी उपलब्ध होने के बावजूद वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक जैसे नए प्रबंधनों की मदद से हम घर में भी फल-सब्जियां उगा सकते हैं। साथ ही कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बना सकते हैं। इतना ही नहीं कमरे के अंदर एल.ई.डी. लाइटों से फल-सब्जियां उगाई जा सकती हैं। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने हर्बल गार्डन, औषधीय पौधों, नवग्रह वाटिका, नर्सरियां, बगीचों सहित अन्य बागवानी अनुभागों का अवलोकन भी किया।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि 2 दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' में आकर्षण का केंद्र एयरपोर्ट टूरिज्म रहा। क्योंकि यह हिसार शहर के एयरपोर्ट का जीता-जागता प्रारूप है। एयरपोर्ट टूरिज्म में एक हवाई जहाज का मॉडल बनाया गया है, जिसमें बताया गया है कि भविष्य में विभिन्न तकनीकों व विधियों का इस्तेमाल कर हवाई जहाज की मदद से हिसार शहर के फल, फूल व सब्जियों को विदेशों तक भेजे जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में सैंकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रहे हैं।

इस उत्सव में पोस्टर मेकिंग, ऑन द स्पॉट ड्राइंग, मेहंदी व पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पहली से 5वीं, छठी से 8वीं, 9वीं से 12वीं और कॉलेज ग्रुप के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी, जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंदे, फ्रैश फ्लॉवर सजाना आदि होगा। रंगोली प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के 2 ग्रुप बनाए जाएंगे। वहीं प्रदर्शनी में सब्जी की नई वैरायटी को लोगों ने पसंद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	3-1-24	5	6-8

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को एम.एस. स्वामीनाथन अवार्ड से नवाजा

अंतर्राष्ट्रीय सैमीनार में दिया सम्मान

हिसार, 2 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को प्रतिष्ठित एम.एस. स्वामीनाथन अवार्ड से नवाजा गया है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित राजमाता विश्वराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में 'वन हेल्थ वन वर्ल्ड' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्हें सस्य विज्ञान क्षेत्र में एक वैज्ञानिक/विस्तार विशेषज्ञ के रूप में उनके कार्यों के लिए मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कनार्टक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने उन्हे यह अवार्ड देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि एम.एस. स्वामीनाथन अवार्ड के लिए एक विशेष कमेटी का गठन

ग्वालियर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कनार्टक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को एम.एस. स्वामीनाथन अवार्ड से सम्मानित करते हुए।

किया गया था। इस कमेटी की ओर से सस्य विज्ञान के क्षेत्र में शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास व विस्तार के क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर विजेता का चयन किया गया है। इसी के फलस्वरूप कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज का चयन कर उन्हें एम.ए. स्वामीनाथन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। प्रो. काम्बोज अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक है और उनके अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों, पुस्तकों और तकनीकी पत्रिकाओं में लगभग 300 शोध-पत्र व आलेख प्रकाशित हुए है। प्रो. काम्बोज का पूरे सेवाकाल के दौरान विस्तार शिक्षा का सर्वाधिक अनुभव रहा है। वे किसानों की आम समस्याओं, आवश्यकताओं और उनके आर्थिक-सामाजिक स्तर से अच्छी तरह से परिचित है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सामूहिक रूप से अनुसंधान कार्य और विस्तार गतिविधियों में उनके अनुभव के आधार पर उनके द्वारा की गई कृषि सिफारिशें किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध हुई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	3-1-24	9	6-8

फूल प्रकृति का खूबसूरत तोहफा : प्रो. काम्बोज

हकृवि में शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2024 का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा विश्वविद्यालय के गेट न. 4 के नजदीक स्थित एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन में मंगलवार को दो दिवसीय शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2024 के शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन बतौर मुख्यातिथि उपस्थित विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किया।

इस उत्सव का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, हकृवि के सामाजिक कल्याण सोसाइटी व भू-दृश्य इकाई संरचना के सहयोग से किया जा रहा है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि फूल प्रकृति का खूबसूरत तोहफा है, जिसे सभी पसंद करते हैं। क्योंकि फूल निस्वार्थ भाव से अपनी महक दूसरों तक पहुंचाते है। साथ ही जीवन की थकान को सुकून में बदलकर हमारा ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। फूल अन्य फूलों से प्रतिस्पर्धा की भावना न रखकर स्वयं खिलता है और खुशियां प्रदान करता है। हमें फूलों से सीखना चाहिए कि हम निस्वार्थ भाव से ऐसे काम करें, जिससे दूसरों को खुशी प्रदान हो।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने बताया कि यह दो दिवसीय शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2024 हरियाणावासियों के लिए खास है क्योंकि इसमें फूलों व सब्जियों को उगाने के लिए उपयोग में लाई जा रही नई-नई तकनीकों, नवाचारों, प्रौद्योगिकियों व प्रबंधनों से युवाओं व किसानों को अवगत करना है। साथ ही आमजन के लिए खास यह है कि कम जगह, बिना मिट्टी व कम पानी उपलब्ध होने के बावजूद वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक जैसे नए प्रबंधनों की मदद से हम घर में भी फल-सब्जियां उगा सकते हैं।

हिसार। पुष्प उत्सव में फूलों को उगाने के लिए इस्तेमाल में लाई गई तकनीक को देखते हुए मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य तथा पुष्प उत्सव में रखी गई कलरफुल गाजर व मूली।

फोटो : हरिभूमि

काली गाजर ने खींचा ध्यान

पुष्प प्रदर्शनी में विवि वैज्ञानिकों द्वारा कल्लर फुल सब्जियां भी रखी हुई थी। आमतौर पर लाल और संतरी रंग की गाजर तो लोगों ने बहुत देखी होगी, लेकिन प्रदर्शनी में रखी काली गाजर आकर्षण का केंद्र बनी रही। इसके अलावा बैंगनी रंग की मूली व शलगम ने भी लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा।

हिसार। गुलदाऊदी के फूलों के निहारती युवतियां।

एयरपोर्ट ट्यूरिज्म रहा आकर्षण का केंद्र

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि पुष्प उत्सव 2024 में आकर्षण का केंद्र एयरपोर्ट ट्यूरिज्म रहा। क्योंकि यह हिसार शहर के एयरपोर्ट का जीता-जागता प्रारूप है। एयरपोर्ट ट्यूरिज्म में एक हवाई जहाज का मॉडल बनाया गया है, जिसमें बताया गया है कि भविष्य में विभिन्न तकनीकों व विधियों का इस्तेमाल कर हवाई जहाज की मदद से हिसार शहर के फल, फूल व सब्जियों को विदेशों तक भेजे जा सकेंगे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
'अजीत समाचार	3-1-24	5	5-8

फूल अन्य फूलों से प्रतिस्पर्धा की भावना न रखकर स्वयं खिलता है, जिनसे हमें प्रेरणा लेने की जरूरत : प्रो. काम्बोज

हकृवि में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' का शुभारंभ

हिसार, 2 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): फूल प्रकृति का खूबसूरत तोहफा है, जिसे सभी पसंद करते हैं। क्योंकि फूल निस्वार्थ भाव से अपनी महक दूसरों तक पहुंचाते है। साथ ही जीवन की थकान को सुकून में बदलकर हमारा ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। फूल अन्य फूलों से प्रतिस्पर्धा की भावना न रखकर स्वयं खिलता है और खुशियां प्रदान करता है। हमें फूलों से सीखना चाहिए कि हम निस्वार्थ भाव से ऐसे काम करें, जिससे दूसरों को खुशी प्रदान हो। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के गेट नंबर-4 के नजदीक स्थित एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन में आयोजित दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2024' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस उत्सव का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, हकृवि के सामाजिक कल्याण सोसाइटी व भू-दृश्य इकाई संरचना के सहयोग से किया जा रहा है। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2024' हरियाणावासियों के लिए खास है क्योंकि इसमें फूलों व सब्जियों को उगाने के लिए उपयोग में लाई जा रही नई-नई तकनीकों, नवाचारों, प्रौद्योगिकियों व प्रबंधनों से युवाओं व किसानों को अवगत करना है। साथ ही आमजन के लिए खास

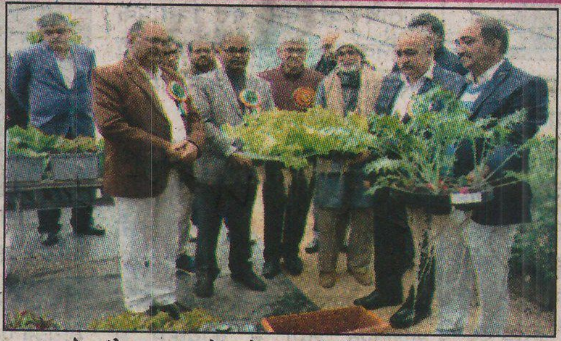

उत्सव के दौरान फूलों को उगाने के लिए इस्तेमाल में लाई गई तकनीक को देखते हुए मुख्यातिथि।

यह है कि कम जगह, बिना मिट्टी व कम पानी उपलब्ध होने के बावजूद वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक जैसे नए प्रबंधनों की मदद से हम घर में भी फल-सब्जियां उगा सकते हैं। यह सरल व सहज विधि है, जिसकी मदद से हम घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे, छत पर या बालकनी पर यह विधि अपनाकर फूल-सब्जियां प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बना सकते हैं। इतना ही नहीं कमरे के अंदर एलईडी लाइटों से फल-सब्जियां उगाई जा सकती है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2024' में आकर्षण का केंद्र एयरपोर्ट ट्यूरिज्म रहा। क्योंकि यह हिसार शहर के एयरपोर्ट का जीता-जागता प्रारूप है। एयरपोर्ट ट्यूरिज्म में एक हवाई जहाज का मॉडल बनाया गया है, जिसमें बताया गया है कि भविष्य में विभिन्न तकनीकों व विधियों का इस्तेमाल कर हवाई जहाज की मदद से हिसार शहर के फल, फूल व सब्जियों को विदेशों तक भेजे जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में सेल्फी प्वाइंट ने भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा, जहां लोगों ने विभिन्न फूलों की सुंदर-सुंदर प्रजातियों के साथ फोटो इक्षखचवाई। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में सैंकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रहे हैं। आमजन के साथ खासतौर पर स्कूली विद्यार्थी का उत्साह देखते ही बनता है। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में पोस्टर मेंकिग, ऑन दा स्पॉट ड्राइंग, मेहंदी व पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पहली से पांचवी, छठी से आठवीं, नौवीं से 12वीं और कॉलेज ग्रुप के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी, जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंदे, फ्रेश फ्लॉवर सजाना आदि होगा। रंगोली प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के दो ग्रुप बनाए जाएंगे। इन सभी के लिए पंजीकरण निशुल्क होगा। आमजन के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक एग्री टूरिज्म सेंटर खोला जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3-1-24	2	3-4

पुष्प प्रदर्शनी : 105 वैरायटी के गुलदाउदी, गुलाब, और गेंदा की किस्मों ने लोगों को किया आकर्षित

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री- टूरिजम सेंटर और बोटेनिकल गार्डन में मंगलवार को आयोजित दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' में 105 वैरायटी के फूलों को प्रदर्शित किया गया है। इनमें मुख्यतः गुलदाउदी, गुलाब, लीली, गेंदा, एडेनियम, गलोडेलियम आदि की किस्में प्रदर्शित की गई। इसके अलावा सब्जियों और फलों की 50 से अधिक किस्में न्यूट्रीशंस गार्डन में प्रदर्शित की हैं। यहां गाजर, मूली, टमाटर, गोभी, फूल गोभी, बैंगन आदि की विभिन्न रंगों और किस्मों की वैरायटी प्रदर्शित की है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	02.01.2024	--	--

फूल अन्य फूलों से प्रतिस्पर्धा की भावना न रखकर स्वयं खिलता है, जिनसे हमें प्रेरणा लेने की जरूरत : प्रो. बी.आर. काम्बोज

(चिराग टाइम्स न्यूज)

फूल प्रकृति का खूबसूरत तोहफा है, जिसे सभी पसंद करते हैं। क्योंकि फूल निस्वार्थ भाव से अपनी महक दूसरों तक पहुंचाते हैं। साथ ही जीवन की थकान को सुकून में बदलकर हमारा ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। फूल अन्य फूलों से प्रतिस्पर्धा की भावना न रखकर स्वयं खिलता है और खुशियां प्रदान करता है। हमें फूलों से सीखना चाहिए कि हम निस्वार्थ भाव से ऐसे काम करें, जिससे दूसरों को खुशी प्रदान हो। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के गेट न. 4 के नजदीक स्थित एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन में आयोजित दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस उत्सव का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, हकृवि के सामाजिक कल्याण सोसाइटी व भू-दृश्य इकाई संरचना के सहयोग से किया जा रहा है।

एयरपोर्ट टूरिज्म रहा आकर्षण का केंद्र

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' में आकर्षण का केंद्र एयरपोर्ट टूरिज्म रहा। क्योंकि यह हिसार शहर के एयरपोर्ट का जाना-माना प्रारूप है। एयरपोर्ट टूरिज्म में एक हवाई जहाज का मॉडल बनाया गया है, जिसमें बताया गया है कि भविष्य में विभिन्न तकनीकों व विधियों का इस्तेमाल कर हवाई जहाज की मदद से हिसार शहर के फल, फूल व सब्जियों को विदेशों तक भेजे जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में सैकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रहे हैं। आमजन के साथ खासतौर पर स्कूली विद्यार्थी का उत्साह देखते ही बनता है। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में पोस्टर मेकिंग, ऑन द स्पॉट ड्राइंग, मेहंदी व पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पहली से पांचवी, छठी से आठवीं, नौवीं से 12वीं और कॉलेज ग्रुप के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी, जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंदे, फ्रेश फ्लावर सजाना आदि होगा। रंगोली प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के दो ग्रुप बनाए जाएंगे। इन सभी के लिए पंजीकरण निशुल्क होगा।

आमजन के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक एग्री टूरिज्म सेंटर खोला जाएगा।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने हर्बल गार्डन, औषधीय पौधों, नवग्रह वाटिका, नर्सरियों, बगीचों सहित अन्य बागवानी अनुभागों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों सहित शहरवासी मौजूद रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	02.01.2024	--	--

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को उत्कृष्ट कार्य करने पर एम.एस. स्वामीनाथन अवार्ड से नवाजा

कर्नाटक के गवर्नर थावरचंद गहलोत ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित राजमाता विश्वराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में दिया सम्मान

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 2 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को प्रतिष्ठित एम.एस. स्वामीनाथन अवार्ड से नवाजा गया है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित राजमाता विश्वराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में 'वन हेल्थ वन वर्ल्ड' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्हें सस्य विज्ञान क्षेत्र में एक वैज्ञानिक/विस्तार विशेषज्ञ के रूप में उनके कार्यों के लिए मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने उन्हें यह अवार्ड देकर सम्मानित किया। इस दौरान कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड के सदस्य डॉ. बी.एस. द्विवेदी, मेजबान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला व प्रमुख समाजसेवी श्री मोहनी मिश्रा भी मौजूद रहे। इस सम्मेलन का आयोजन एग्री-मीट फाउंडेशन व आरवीएस कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

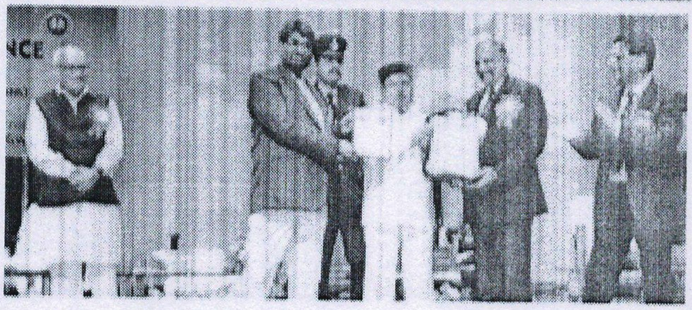

उल्लेखनीय है कि एम.एस. स्वामीनाथन अवार्ड के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया गया था। इस कमेटी की ओर से सस्य विज्ञान के क्षेत्र में शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास व विस्तार के क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर विजेता का चयन किया गया है। इसी के फलस्वरूप कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज का चयन कर उन्हें एम.ए. स्वामीनाथन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। प्रो. काम्बोज अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक है और उनके अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों, पुस्तकों और तकनीकी पत्रिकाओं में लगभग 300 शोध-पत्र व आलेख प्रकाशित हुए है। प्रो. काम्बोज का पूरे सेवाकाल के दौरान विस्तार शिक्षा का सर्वाधिक अनुभव रहा है। वे किसानों की आम समस्याओं, आवश्यकताओं और उनके आर्थिक-सामाजिक स्तर से अच्छी तरह से परिचित है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सामूहिक रूप से अनुसंधान कार्य और विस्तार गतिविधियों में उनके अनुभव के आधार पर उनके द्वारा की गई कृषि सिफारिशें किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध हुई है।

बता दें कि वर्तमान में प्रो. बी.आर. काम्बोज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 20वें कुलपति के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वे बीते 29 सालों से इस विश्वविद्यालय में कुलसचिव सहित विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान व विस्तार के क्षेत्रों में नए-नए आयाम स्थापित किए हैं। विश्वविद्यालय ने अपने शोध व शैक्षणिक कार्यक्रमों को सदृढ़ करने के लिए विभिन्न देशों के विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों के साथ समझौते, फसलों की उन्नत किस्में इजाद करने के साथ वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को विश्व के उच्च स्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है।

ग्रामीण आंचल से रखते हैं संबंध

प्रो. बी.आर. काम्बोज का हरियाणा के करनाल जिले के दाहा गांव में 2 अप्रैल 1968 में जन्म हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय, संघोहा, करनाल से हुई। इसके बाद उन्होंने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की डिग्री हासिल की। प्रो. काम्बोज आरंभ से ही प्रतिभा के धनी रहे हैं और शैक्षणिक परीक्षाओं में उनका श्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। वे अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट सीआईएमएमवाईटी-आईआरआरआई - सीएसआईएसए में हरियाणा की ओर से 3 साल तक हब को-ऑर्डिनेटर, सीनियर रिसर्च मैनेजर के पद को सफलतापूर्वक निभा चुके हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें 29 साल से भी अधिक का अध्यापन, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा गतिविधियों का अनुभव प्राप्त है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	3-1-24	4	1-8

आओ मेरी सखियों मुझे मेहंदी लगा दो...

एचएयू में पुष्प प्रदर्शनी के दौरान मेहंदी प्रतियोगिता में हिस्सा लेतीं छात्राएं। संवाद

सेल्फी प्वाइंट पर लोगों ने खिंचवाए फूलों संग फोटो

इस उत्सव में सेल्फी प्वाइंट ने भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा, जहां लोगों ने विभिन्न फूलों की सुंदर-सुंदर प्रजातियों के साथ फोटो खिंचवाई।

एचएयू में पुष्प प्रदर्शनी देखने पहुंचीं युवतियां सेल्फी प्वाइंट की ओर इशारा करतीं हुईं। संवाद

फूलों की प्यारी सी बगिया...

एचएयू में पुष्प प्रदर्शनी में फूलों को निहारती छात्रा। संवाद

फूलों से सीखें निस्वार्थ भाव से काम करना : कांबोज

एचएयू में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। फूल प्रकृति का खूबसूरत तोहफा है, जिसे सभी पसंद करते हैं, क्योंकि फूल निस्वार्थ भाव से अपनी महक दूसरों तक पहुंचाते हैं। साथ ही फूल जीवन की थकान को सुकून में बदलकर हमारा ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। फूल अन्य फूलों से प्रतिस्पर्धा की भावना न रखकर स्वयं खिलता है और खुशियां प्रदान करता है। हमें फूलों से सीखना चाहिए कि हम निस्वार्थ भाव से ऐसे काम करें, जिससे दूसरों को खुशी प्रदान हो।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के गेट नंबर चार के नजदीक स्थित एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन में आयोजित दो दिवसीय शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024 के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस उत्सव का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, हकृवि के सामाजिक कल्याण सोसाइटी व भू-दृश्य इकाई संरचना के सहयोग से किया जा रहा है।

बाग-बाग हुआ बुजुर्गों का मन...

एचएयू में आयोजित पुष्प प्रदर्शनी को देखतीं बुजुर्ग महिलाएं। संवाद

एयरपोर्ट टूरिज्म रहा आकर्षण का केंद्र

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र एयरपोर्ट टूरिज्म रहा, क्योंकि यह शहर के एयरपोर्ट का जीता-जागता प्रारूप है। एयरपोर्ट टूरिज्म में एक हवाई जहाज का मॉडल बनाया गया है, जिसमें बताया गया है कि भविष्य में विभिन्न तकनीकों व विधियों का इस्तेमाल कर हवाई जहाज की मदद से हिसार शहर के फल, फूल व सब्जियों को विदेशों तक भेजे जा सकेंगे। आमजन ने हर्बल गार्डन, औषधीय पौधों, नक्षत्र वाटिका, नर्सरियां, क्यारियों सहित अन्य बागवानी अनुभागों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थी मौजूद रहे।

पोस्टर मेकिंग, ड्राइंग व मेहंदी प्रतियोगिता करवाई गई

उत्सव में पोस्टर मेकिंग, ऑन दा स्पॉट ड्राइंग, मेहंदी व पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पहली से पांचवी, छठी से आठवीं, नौवीं से 12वीं और कॉलेज ग्रुप के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी, जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंदे, फ्रेश फ्लॉवर सजाना आदि होगा। रंगोली प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के दो ग्रुप बनाए जाएंगे। इन सभी के लिए पंजीकरण निशुल्क होगा। आमजन के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक एग्री टूरिज्म सेंटर खोला जाएगा।

ये फूलों का जहां अपना...

पुष्प प्रदर्शनी में फूलों को देख आकर्षित होती युवती। संवाद

रजनीगंधा की महकी सुगंध...

एचएयू में रजनीगंधा के फूलों को देखकर मुस्कुराती छात्रा। संवाद

मार्च तक खिलेंगे गुलदाउदी के पुष्प, किसानों की बढ़ेगी कमाई

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। मौसम बीतने के बाद भी किसानों की बगिया फूलों से महकती रहेगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रकाश के माध्यम से ऑफ सीजन फूल खिलाने का प्रयोग सफल होने के बाद प्रदेश के किसानों में उम्मीद की किरण दौड़ गई है। अब प्रदेश के किसान भी मौसम बीतने के बाद फूलों का उत्पादन कर बाजार में अच्छी कीमत पर बेच सकेंगे।

गुलदाउदी पर विभिन्न रंगों के प्रकाश का प्रभाव विषय पर शोध कर रहीं मनीषा ने बताया कि गुलदाउदी की खेती अगस्त से शुरू होती है और जनवरी के पहले सप्ताह तक चलती है। इस दौरान किसान खुले में भी गुलदाउदी की खेती करते हैं। उत्पादक अधिक होने के कारण किसानों को बाजार में कठिन प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है और उनको अच्छी कीमत नहीं मिल पाती।

पालीहाउस में खेती कर रंगीन लाइट के माध्यम से गुलदाउदी के फूल निकलने की प्रक्रिया को आगे किया जा सकता है और मार्च तक फूल लिया जा सकता है। कठिन प्रतिस्पर्धा नहीं होने और कम उपलब्धता के कारण इससे किसानों को अच्छी कमाई हो जाएगी। अगर किसान अलग-अलग लाइट का प्रयोग करें और उचित प्रबंधन करें तो उनके फूल एक साथ नहीं खिलेंगे और अलग-अलग समय पर फूल मिलने पर कमाई भी ज्यादा होगी।

ब्लू प्रकाश में अपेक्षाकृत जल्दी खिलते हैं पुष्प

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग की शोधार्थी ने बताया कि नीले प्रकाश में फूल अपेक्षाकृत जल्द खिल जाते हैं। इनके तने की लंबाई कम होती है और विकास भी प्रभावित रहता है। ग्रीन प्रकाश के नीचे रखे फूल नीले वाले से थोड़ा देर से खिलते हैं और लाल और सफेद प्रकाश में रखे फूल काफी देर से खिलते हैं। किसानों के लिए यह स्थिति फायदेमंद साबित हो सकती है और उनको अलग-अलग समय पर फूल मिलते रहेंगे।

फरवरी में होती है फूलों की काफी मांग

फरवरी में वेलेनटाइन वीक मनाया जाता है। तब तक खुले में उगाए जाने वाले गुलदाउदी के फूल समाप्त हो जाते हैं। पाली हाउस में खेती से मार्च तक फूल लिए जा सकते हैं। दिल्ली-गुरुग्राम जैसे बड़े शहरों में फूलों की खपत काफी अधिक है। दिल्ली के नजदीक होने के कारण हरियाणा के किसानों को करीब ही बाजार मिल जाता है। ऐसे में ऑफ सीजन फूलों की खेती से वे अधिक उत्पादन हासिल कर सकते हैं। इससे किसानों की कमाई बढ़ने की उम्मीद रहती है।

तू खींच मेरी फोटो...

एचएयू में रचाई मेहंदी संग फोटो लेतीं दो युवतियां। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	02.01.2024	--	--

हकृवि में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2024' का शुभारंभ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। फूल प्रकृति का खूबसूरत तोहफा है, जिसे सभी पसंद करते हैं। क्योंकि फूल निस्वार्थ भाव से अपनी महक दूसरों तक पहुंचाते है। साथ ही जीवन की थकान को सुकून में बदलकर हमारा ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। फूल अन्य फूलों से प्रतिस्पर्धा की भावना न रखकर स्वयं खिलता है और खुशियां प्रदान करता है। हमें फूलों से सीखना चाहिए कि हम निस्वार्थ भाव से ऐसे काम करें, जिससे दूसरों को खुशी प्रदान हो। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के गेट न. 4 के नजदीक स्थित एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन में आयोजित दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2024' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस उत्सव का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, हकृवि के सामाजिक कल्याण सोसाइटी व भू-दृश्य इकाई संरचना के सहयोग से किया जा रहा है। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2024' हरियाणावासियों के लिए खास है क्योंकि इसमें फूलों व सब्जियों को

उगाने के लिए उपयोग में लाई जा रही नई-नई तकनीकों, नवाचारों, प्रौद्योगिकियों व प्रबंधनों से युवाओं व किसानों को अवगत करना है। साथ ही आमजन के लिए खास यह है कि कम जगह, बिना मिट्टी व कम पानी उपलब्ध होने के बावजूद वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक जैसे नए प्रबंधनों की मदद से हम घर में भी फल-सब्जियां उगा सकते हैं। यह सरल व सहज विधि है, जिसकी मदद से हम घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे, छत पर या बालकनी पर यह विधि अपनाकर फूल-सब्जियां प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बना सकते हैं। इतना ही नहीं कमरे के अंदर एलईडी लाइटों से फल-सब्जियां उगाई जा सकती है। एयरपोर्ट टूरिज्म रहा आकर्षण का केंद्र

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपों एवं पुष्प उत्सव 2024' में आकर्षण का केंद्र एयरपोर्ट टूरिज्म रहा। क्योंकि यह हिसार शहर के एयरपोर्ट का जीता-जागता प्रारूप है। एयरपोर्ट टूरिज्म में एक हवाई जहाज का मॉडल बनाया गया है, जिसमें बताया गया है कि भविष्य में विभिन्न तकनीकों व विधियों का इस्तेमाल कर हवाई जहाज की मदद से हिसार शहर के फल, फूल व सब्जियों को विदेशों तक भेजे जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में सेल्फी प्वाइंट ने भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा, जहां लोगों ने विभिन्न फूलों की सुंदर-सुंदर प्रजातियों के साथ फोटो खिंचवाई। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में सैंकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रहे हैं। आमजन के साथ खासतौर पर स्कूली विद्यार्थी का उत्साह देखते ही बनता है। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में पोस्टर मेकिंग, ऑन दा स्पॉट ड्राइंग, मेहंदी व पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पहली से पांचवीं, छठी से आठवीं, नौवीं से 12वीं और कॉलेज ग्रुप के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। साथ ही पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी, जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंदे, फ्रेश फ्लॉवर सजाना आदि होगा। रंगोली प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के दो ग्रुप बनाए जाएंगे। इन सभी के लिए पंजीकरण निशुल्क होगा। आमजन के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक एग्री टूरिज्म सेंटर खोला जाएगा।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने हर्बल गार्डन, औषधीय पौधों, नवग्रह वाटिका, नर्सरियां, बगीचों सहित अन्य बागवानी अनुभागों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों सहित शहरवासी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	02.01.2024	--	--

हकृवि में दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव' का शुभारंभ

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 2 जनवरी। फूल प्रकृति का खूबसूरत तोहफा है, जिसे सभी पसंद करते हैं। क्योंकि फूल निस्वार्थ भाव से अपनी महक दूसरों तक पहुंचाते हैं। साथ ही जीवन की थकान को सुकून में बदलकर हमारा ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। फूल अन्य फूलों से प्रतिस्पर्धा की भावना न रखकर स्वयं खिलता है और खुशियां प्रदान करता है। हमें फूलों से सीखना चाहिए कि हम निस्वार्थ भाव से ऐसे काम करें, जिससे दूसरों को खुशी प्रदान हो। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के गेट नं. 4 के नजदीक स्थित एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटैनिकल गार्डन में आयोजित दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस उत्सव का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, हकृवि के सामाजिक कल्याण सोसाइटी व भू-दृश्य इकाई संस्था के सहयोग से किया जा रहा है। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' हरियाणावासियों के लिए खास है क्योंकि इसमें फूलों व सब्जियों को उगाने के लिए उपयोग में लाई जा रही नई-नई तकनीकों, सजावटों, प्रौद्योगिकियों व प्रबंधनों से युवाओं व किसानों को अवगत करता है। साथ ही आमजन के लिए खास यह है कि कम जगह, बिना मिट्टी व कम पानी उपलब्ध होने के बावजूद वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक जैसी नए प्रबंधनों की मदद से घर पर भी फल-सब्जियां

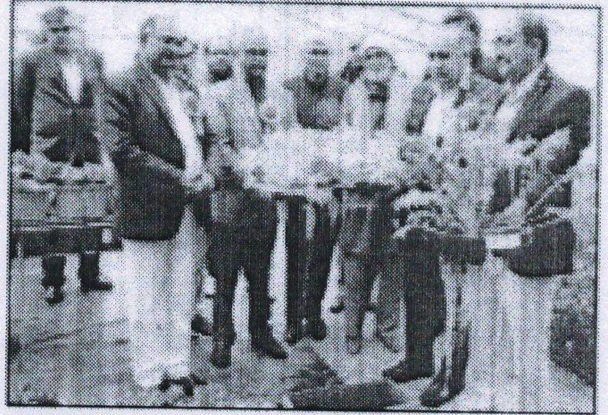

उगा सकते हैं। यह सरल व सहज विधि है, जिसकी मदद से हम घर के बाहर किसी छोटे से बगीचे, छत पर या बालकनी पर यह विधि अपनाकर फूल-सब्जियां प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बना सकते हैं। इतना ही नहीं कमरे के अंदर एलईडी लाइटों से फल-सब्जियां उगाई जा सकती है।

एयरपोर्ट टूरिज्म रहा आकर्षण का केंद्र

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' में आकर्षण का केंद्र एयरपोर्ट टूरिज्म रहा। क्योंकि यह हिसार शहर के एयरपोर्ट का जीता-जागता प्रारूप है। एयरपोर्ट टूरिज्म में एक हवाई जहाज का मॉडल बनाया गया है, जिसमें बताया गया है कि भविष्य में विभिन्न तकनीकों व विधियों का इस्तेमाल कर हवाई जहाज की मदद से हिसार शहर के फल, फूल व सब्जियों को विदेशों तक भेजे जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में सेल्फी प्वाइंट ने भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा, जहां लोगों ने विभिन्न फूलों की सुंदर-सुंदर प्रजातियों के साथ फोटो खिंचवाई। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में सैंकड़ों किस्म की फूलों की प्रजातियां शोभा बढ़ा रहे हैं। आमजन के साथ खासतौर पर स्कूली विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता है। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में पोस्टर मेकिंग, ऑन द स्पॉट ड्राइंग, मेहंदी व पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पहली से पांचवीं, छठी से आठवीं, नौवीं से 12वीं और कॉलेज स्तर के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। साथ ही लोगों के लिए सांस्कृतिक स्पर्धा होगी, जिसमें गायन में लोक गुनगुनाहट, नये गाने, शेर, ग्रुप संगीत सजावट आदि होगा। सभी प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के दो दल बनाए जाएंगे। इन सभी के लिए पंजीकरण निःशुल्क होगा। आमजन के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक एग्री टूरिज्म सेंटर खुला रहेगा। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने हर्बल गार्डन, औषधीय पौधों, मशरूम वाटिका, नर्सरियां, फलों सहित अन्य बागवानी अनुभागों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों सहित गणमान्य मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3-1-24	4	2-8

बैंगनी गोभी व काली-सफेद गाजर बढ़ाएगी रोधक क्षमता

शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024 का आयोजन

जागरण संवाददाता, हिसार : आम आदमी अभी तक सफेद गोभी खाई होगी। मगर अब उसको बैंगनी गोभी भी देखने को मिलेगी। साथ ही लाल गाजर के अलावा काली और सफेद गाजर नजर आ सकती है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने यह सब एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन में आयोजित शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024 में प्रदर्शित की है। इसको किसान बीज लेकर उगा सकता है। इसको उगाने का तरीका भी सामान्य सब्जी की तरह है। मगर यह सभी शरीर की रोधक क्षमता को बढ़ाती है।

किसानों की तरफ से अभी तक सफेद गोभी उगाई जाती हैं। इसको मंडी बेचने पर आम आदमी तक यही पहुंचती है। मगर बैंगनी रंग की गोभी देखकर मंगलवार को सभी हैरान रह गए। लोगों ने इसको रंग करके बैंगनी बनाने का सोचा मगर जब उनको जब बैंगनी रंग में ही पैदा होने की बात चली तो वह अचंभित रह गए। इसके अलावा लाल रंग की गोभी को लोगों के लिए रखा गया। यह गोभी मैट्रो सिटी के बड़े होटल में मिलती है। इसको किसान अपनी सामान्य फसल की तरह ही उगा सकता है। इसका बीज पूसा दिल्ली से लिया जा सकता है।

शहरी खेती एक्सपो में डा. कुलदीप ने बताया कि इस गोभी में एंटीआक्सीडेंट और सल्फर होता है। एंटीआक्सीडेंट शरीर में मौजूद डेड सेल को बाहर निकाल देते हैं। उन्होंने बताया कि इस बैंगनी रंग की गोभी को हिमाचल में आइसीएआर की तरफ से ही ब्रिड किया गया। यह ठंड के मौसम में होती है और यहां के किसान भी इसको उगा सकते है। उन्होंने बताया कि सफेद रंग की गोभी में सल्फर होता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन में शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव में रखी काले रंग की गाजर। • जागरण।

काली-सफेद गाजर भी दिखी

विश्वविद्यालय की तरफ से एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन में लोगों के लिए काली-सफेद और गोल लाल रंग की गाजर के अलावा लाल और काली मूली की बुआई भी की हुई है। इस गाजर का बीज भी पूसा दिल्ली से आया है। यह गाजर यूरोपियन वैरायटी की है। इसका प्रयोग ज्यादातर बाहरी देशों के अलावा बड़े होटल में होता है। अभी हिसार व इस इलाकों में इसकी बुआई नहीं होती। एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन के इंचार्ज डा. अरविंद मलिक ने बताया कि इन गाजर और मूली में एंटीआक्सीडेंट होने के कारण यह बीमारियों से लड़ने में सक्षम है।

हाइड्रोपोनिक सिस्टम से उगेगी फसल

हकृवि की तरफ से शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024 में हाइड्रोपोनिक और एयरोपोनिक सिस्टम को दिखाया है। टावर में काफी जगह पर फसल को लगाया जा सकता है। इस टावर के नीचे पानी एकत्रित रहता है और ऊपर से पानी गिरता है। हाइड्रोपोनिक में फसल की जड़े ज्यादा पानी लेती है लेकिन एयरोपोनिक सिस्टम में पानी स्प्रे के रूप में जाती है। इसको रोशनी वाली जगह पर रखने से उसको धूप मिलेगी तो सब्जियां ग्रो करेंगी।

फूलों से हमें प्रेरणा लेने की जरूरत : प्रो. बीआर काम्बोज

जासं, हिसार: फूल प्रकृति का खूबसूरत तोहफा है, जिसे सभी पसंद करते हैं। फूल निस्वार्थ भाव से अपनी महक दूसरों तक पहुंचाते है। साथ ही जीवन की थकान को सुकून में बदलकर हमारा ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। फूल अन्य फूलों से प्रतिस्पर्धा की भावना न रखकर स्वयं खिलता है और खुशियां प्रदान करता है। हमें फूलों से सीखना चाहिए कि हम निस्वार्थ भाव से ऐसे काम करें, जिससे दूसरों को खुशी प्रदान हो। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के गेट नंबर 4 के नजदीक स्थित एग्री-टूरिज्म सेंटर व बोटेनिकल गार्डन में आयोजित दो दिवसीय 'शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024' के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस उत्सव का आयोजन एग्री टूरिज्म सेंटर, वनस्पति उद्यान, हकृवि के सामाजिक कल्याण सोसाइटी व भू-दृश्य इकाई संरचना के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि यह दो दिवसीय शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024 हरियाणावासियों के लिए खास है क्योंकि इसमें फूलों व सब्जियों को उगाने के लिए उपयोग में लाई जा रही नई-नई तकनीकों, नवाचारों, प्रौद्योगिकियों व प्रबंधनों से युवाओं व किसानों को अवगत करना है। साथ ही आमजन के लिए खास यह है कि कम जगह, बिना मिट्टी व कम पानी उपलब्ध होने के बावजूद वर्टिकल खेती, हाइड्रोपोनिक जैसे नए प्रबंधनों की मदद से हम घर में भी फल-सब्जियां उगा सकते हैं। साथ ही कमरे के अंदर वर्टिकल गार्डन भी बना सकते हैं। इतना ही नहीं कमरे के अंदर एलईडी लाइटों से फल-सब्जियां उगाई जा सकती है।

शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव के आयोजन पर पुष्प प्रदर्शनी देखती छात्राएं • जागरण।

एयरपोर्ट ट्यूरिज्म रहा आकर्षण का केंद्र

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. नीरज कुमार ने बताया कि उत्सव में आकर्षण का केंद्र एयरपोर्ट ट्यूरिज्म रहा। एयरपोर्ट ट्यूरिज्म में एक हवाई जहाज का माडल बनाया है, जिसमें बताया है कि भविष्य में विभिन्न तकनीकों व विधियों का इस्तेमाल कर हवाई जहाज की मदद से हिसार शहर के फल, फूल व सब्जियों को विदेशों तक भेजे जा सकेंगे।

रंगोली प्रतियोगिता होगी

उत्सव में पोस्टर मेकिंग, आन दा स्पाट ड्राइंग, मेहंदी व पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें पहली से पांचवी, छठी से आठवी, नौवी से 12वी और कालेज ग्रुप के विद्यार्थी भाग ले रहे है। पौधों के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा होगी, जिसमें गमले में लगे गुलदाउदी, पत्ते वाले, गेंदे, फ्रेश फ्लावर सजाना आदि होगा। रंगोली प्रतियोगिता में स्कूल व कॉलेज के दो ग्रुप बनाए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2024 का अवलोकन करते कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज व अन्य। • जागरण।